www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 164 नागपुर, गुरुवार, 11 मई 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

सेना ने एलओसी पर घुसपैठ के प्रयास को किया नाकाम, तलाशी अभियान जारी

श्रीनगर

सेना ने उत्तरी कश्मीर में जिला बारामुला के एलओसी के साथ सटे रामपुर(उड़ी) सबसेक्टर में गुलाम कश्मीर की तरफ से आतंकियों की घुसपैठ के एक प्रयास को नाकाम बनाने का दावा किया है। फिलहाल, एलओसी के साथ सटे पूरे क्षेत्र में सेना का तलाशी अभियान जारी है।

बीते चार दिनों में उड़ी सेक्टर में यह घुसपैठ का दूसरा प्रयास है। इससे पूर्व गत रविवार की रात को भी उड़ी सेक्टर में पाकिस्तानी सेना ने जंगबंदी का उल्लंघन की आड़ में घुसपैठियों के एक दल को भारतीय सीमा में धकेलने की कोशिश की थी जो नाकाम रही। उड़ी से मिली जानकारी के अनुसार, रामपुर सब सेक्टर में बोनियार से करीब 25 किलोमीटर दूर टुरना इलाके में एलओसी पर मंगलवार को आधी रात के बाद गश्त कर रहे 21 सिख रेजिमेंट के जवानों ने गुलाम कश्मीर की तरफ से तीन-चार लोगों को हथियारों संग भारतीय सीमा में दाखिल होते देखा। जवानों ने उसी समय आस-पास की सुरक्षा चौकियों को सूचित करते हुए घुसपैठियों को ललकारा। जवानों की ललकार सुनते ही घुसपैठियों ने गोली चलाई। जवान पहले ही सतर्क थे। उन्होंने भी जवाबी फायर किया। करीब 25 मिनट तक वहां गोलियां चली और आतंकियोंको वापस गुलाम कश्मीर की तरफ भागना पड़ा। हालांकि रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने घुसपैठ को नाकाम बनाने का दावा करते हुए कहा कि एहतियातन पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी रखा गया है, लेकिन संबधित सूत्रों ने बताया मुठभेड़ स्थल पर सुबह तलाशी के दौरान जवानों को तीन खाली पिट्ठु बैग और कुछ कारतूस मिले हैं। खाली पिट्ठु बैग मिलने के बाद सेना के जवानों ने रामपुर सब सेक्टर और उसके साथ सटे इलाकों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

मुंबई के अक्सा बीच पर लाइफगार्ड ने दिखायी जांबाजी, युवकों को डूबने से बचाया

मुंबई

बीच पर लगे एक चट्टान पर बैठने गए युवकों के आस-पास पानी का स्तर कब बढ़ गया उन्हें पता ही नहीं चला। मुंबई फायर ब्रिगेड के 25 वर्षीय लाइफगार्ड ने अपनी जांबाजी का परिचय दे बुधवार सुबह अक्सा बीच पर तीन युवकों को डूबने से बचा लिया। अक्सा एरिया में रहने वाले लाइफगार्ड नाथूराम सूर्यवंशी ने बताया कि उनकी ड्यूटी सुबह 9 बजे शुरु हो जाती है और सुबह के लगभग 10.25 बजे उन्होंने देखा चट्टान पर तीन युवक मदद के लिए चिल्ला रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि मैं तुरंत पानी में उतरा और उनकी ओर तैरकर बढ़ा। वे तीनों भयभीत थे और मदद के लिए काफी देर से चिल्ला रहे थे। ये तीन- अल्ताफ मोहम्मद इकबाल (30), सरफराज राहिम शेख (24) और सूरज गणेश प्रजापति (25) थे। इन्हें बचाकर सुरक्षित लाने में करीब 20 मिनट का समय लगा। ये तीनों मलवानी के हैं। उन्होंने चट्टान की ओर जाने से पहले लाइफगार्ड को सूचित किया था। उस वक्त पानी का बहाव कम था।

छुट्टी मनाने घर गए आर्मी ऑफिसर को आतंकियों ने अगवा कर गोलियों से भूना

श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर के हरमेन शोपियां में अपनी मौसी के घर शादी की दावत में गए सेना के एक लेफ्टिनेंट (डॉक्टर) को बीती रात आतंकियों ने अगवा कर शहीद कर दिया। गोलियों से छलनी उनका शव बुधवार को सुबह मिला। पुलिस ने इस वारदात के सिलसिले में एक मामला दर्ज किया है और हत्यारे आतंकियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया हुआ है।

शहीद डॉक्टर का पूरा नाम उमर फैयाज परे है और वह जिला कुलगाम के सुदसुना गांव का रहने वाले हैं। वे जम्मू संभाग में अखनूर स्थित सेना की राजपूताना राइफल्स में नियुक्त थे और कुछ दिन पूर्व ही अवकाश पर अपने घर आये थे। गत रोज वे शोपियां में एक शादी में शरीक होने गये थे, जहां से आतंकी उन्हें अगवा करने अपने साथ ले गए थे।

उमर फैयाज शादी में भाग लेने के लिए गत

रोज ही अपनी मौसी के घर आये थे। मंगलवार की देर रात स्वचालित हथियारों से लैस आतंकियों का एक दल उनकी मौसी के घर में आया और आतंकी उन्हें अगवा कर उसे अपने साथ ले गए। डॉक्टर को अगवा किए जाने की सूचना उसी समय पुलिस को दी गई। पुलिस ने उसी समय डॉक्टर को छुड़ाने के के लिए तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन सुबह हरमेन में उनकी गोलियों से छलनी लाश मिली।

कश्मीर के सैन्य अधिकारी का अपहरण और हत्या कायरतापूर्ण हरकत - जेटली

रक्षामंत्री अरूण जेटली ने कहा कि शोपियां में आतंवादियों द्वारा कश्मीर के सैन्य अधिकारी का अपहरण और हत्या कायरता और नीचतापूर्ण हरकत है। सुबह शोपियां के हेरमैन इलाके से 23 वर्षीय लेफ्टिनेट उमर फयाज का शव मिला था। उन्हें गोलियां मारी गई थीं। इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए जेटली ने उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं जताईं और कहा कि वे घाटी के युवाओं के लिए प्रेरक बने रहेंगे।

जेटली ने ट्वीट किया, शोपियां में लेफ्टिनेंट उमर फयाज का अपहरण और हत्या कायरतापूर्ण और नीचतापूर्ण हरकत है। जम्मू-कश्मीर का यह युवा अधिकारी रोल मॉडल था। अधिकारियों ने बताया कि फयाज बातापुरा में अपने एक रिश्तेदार की शादी में शरीक होने गए थे, जहां से रात लगभग दस बजे आतंकियों ने उनका अपहरण कर लिया

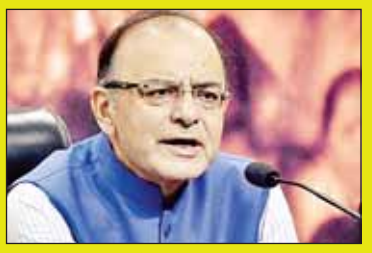

था। फयाज पांच महीने पहले ही, दिसंबर 2016 में सेना में शामिल हुए थे। रक्षामंत्री जेटली ने कहा कि फयाज का बलिदान, घाटी से आतंकवाद को उखाड़ फेंकने की राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराता है।

उन्होंने कहा कि 2 राजपूताना राइफल्स के लेफ्टिनेंट उमर फयाज एक असाधारण खिलाड़ी थे, उनका बलिदान घाटी से आतंक के खात्मे के राष्ट्र के दृढ़ संकल्प को दोहराता है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लेफ्टिनेंट उमर फयाज का विगत रात दक्षिण कश्मीर के शोपियां में उनके रिश्तेदार के घर से अपहरण कर लिया गया था और सुबह शोपियां जिले के हेरमैन इलाके से उनका गोली लगा शव बरामद हुआ। वे कुलगाम जिले के इन्फन्ट्री में थे और जम्मू के अखनूर इलाके में तैनात थे। पिछले साल दिसंबर में वह सेना में शामिल हुए थे। सेना के अधिकारी ने कहा, इस नृशंस घटना में कुछ अज्ञात आतंकवादियों ने लेफ्टिनेंट उमर फयाज का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने रिश्तेदार की शादी में शिरकत करने अपने गृहनगर कुलगाम जिले आए हुए थेद्य। अधिकारी ने कहा, सेना बहादुर सैनिक को सलाम करती है।

आरटीआइ में खुलासा: केजरीवाल ने दिया अपने साढू को करोड़ों का ठेका

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के मुखिया अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे केजरीवाल पर अब आरटीआइ से नया खुलासा हुआ है। आरटीआइ में खुलासा हुआ कि केजरीवाल ने अपने साढू सुरेंद्र कुमार बंसल को करोड़ों रुपए का ठेका दिया तथा झूठे बिलों के आधार पर पेमेंट किया गया।

सुरेंद्र कुमार ने के तहत एक नाले की मरम्मत के लिए दस करोड़ रुपए वसूले।

गौरतलब है कि इसी तरह के आरोप आम आदमी पार्टी से निष्काषित पूर्व जल मंत्री कपिल मिश्रा ने भी लगाए थे।

पेपरलेस की ओर बढ़ा सुप्रीमकोर्ट

नई दिल्ली

आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दाखिल करने के लिए हाइकोर्ट के मुकदमे की मोट-मोटी फाइलें और कागजों के पुलिंदों की जरूरत नहीं होगी। साथ ही मुकदमा दाखिल करने के लिए घंटों फाइलिंग काउंटर पर लाइन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब सब कुछ डिजिटल व ऑनलाइन हो गया है। सुप्रीम कोर्ट पेपरलेस की ओर बढ़ चला है।

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुप्रीमकोर्ट में डिजिटल फाइलिंग की एकीकृत मुकदमा प्रबंधन सूचना प्रणाली का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री के अलावा मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर, कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद, जस्टिस दीपक मिश्रा, जस्टिस जे. चेल्मेश्वर व जस्टिस एम खानविलकर मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने योजना को न्यायपालिका का आधुनिकता की ओर कदम बताते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के उपयोग के संबंध में चुनौती सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर की नहीं है। बल्कि माइंडसेट बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आइटी प्लस आइटी बराबर आइटी यानी इन्फारमेशन टेक्नालाजी प्लस इंडियन टैलेंट बराबर इंडियाज टुमारो होता है। टेक्नोलॉजी बहुत काम की चीज है। पिछले 30 साल में टेक्नोलॉजी में जो प्रगति हुई है वो पिछले 1000 वर्षो में नहीं हुई।

आने वाले दिनों में आर्टीफिशल इंटेलीजेंस राज करेगा। न्यायपालिका को और अधिक सक्षम बनाने में टेक्नोलॉजी बहुत अहम रोल निभाती है। टेक्नोलॉजी को जितनी सरलता से स्वीकार किया जाए उतना अच्छा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने वकीलों से अपील की कि वे सरकार द्वारा शुरू की गई मुफ्त कानूनी सहायता योजना में स्वयं को रजिस्टर करके गरीबों की मदद को आगे आएं। मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर ने कहा कि मुकदमों के डिजिटल फाइलिंग से न्यायिक तंत्र बेहद पारदर्शी हो जाएगा और रिकार्डों की हेराफेरी नहीं हो पाएगी। उन्होंने शुरू की गई व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि सुप्रीमकोर्ट में अपील की डिजिटल फाइलिंग में सिर्फ मुकदमा नंबर और मुकदमे के आधार लिखने पड़ेंगे और बाकी हाईकोर्ट का रिकार्ड अपने आप फाइल में संलग्न हो जाएगा। इतना ही नहीं कोर्ट फीस और प्रोसेस फीस भी ऑनलाइन जमा होगी और मुकदमेदार को उसकी तय समयसीमा भी बताई जाएगी।

जाधव कहां है यह भी पता नहीं - बागले

नई दिल्ली

कुलभूषण जाधव के मामले में अंतरराष्ट्रीय अदालत से पाकिस्तान को करारा झटका लगा है। अदालत ने पाकिस्तान द्वारा जाधव को दी गई फांसी की सजा पर रोक लगा दी है। इस संबंध में मीडिया को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले ने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय अदालत द्वारा हमारी याचिका पर उठाए गए कदम के बारे में सूचित किया गया। बागले ने कहा कि हमने राजनयिक पहुंच के लिए 16 बार अनुरोध किया था, मगर इंकार कर दिया गया।

वहीं, जाधव की मां की याचिका पर बागले ने कहा कि इसको लेकर अब तक क्या हुआ है, इस बारे में हमें पता नहीं है। परिवार द्वारा वीजा के लिए अप्लाई किया गया था, ताकि वे इस मामले को व्यक्तिगत तौर पर आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान जा सकें, मगर अब तक उन्हें वीजा नहीं दिया गया है।

बागले ने यह भी कहा कि हमें जाधव के स्वास्थ्य को लेकर और उन्हें कहां रखा गया है, इस बारे में भी अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर असमंजस में ममता बनर्जी

कोलकाता

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्षी पार्टियां अपने-अपने हिसाब से रणनीति बनाने में जुटी हैं, लेकिन तृणमूल प्रमुख व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी असमंजस में फंसी हुई हैं। 2012 के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे आगे दौड़ रहीं ममता इस बार शिथिल हैं। वह वेट एंड वॉच की नीति पर चल रही हैं। इसकी वजह भी वाजिब है। राष्ट्रीय सियासत की नब्ज टटोले बिना 2012 में ममता ने जो किया था, उससे उनकी फजीहत ही नहीं हुई थी, बल्कि खिल्ली भी खूब उड़ी थी। बाद में हालात ऐसे बने कि अंत में फिर उन्हें कांग्रेस के साथ ही खड़ा होना पड़ा।

एक कहावत भी है- दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंककर पीता है। इन दिनों यह कहावत ममता पर सटीक बैठ रही हैं। 2012 में संप्रग सरकार की सहयोगी पार्टी होने के बावजूद ममता ने कांग्रेस के राष्ट्रपति उम्मीदवार प्रणब मुखर्जी का विरोध ही नहीं किया था बल्कि अपने

मनमुताबिक उम्मीदवार तय करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। ममता ने तो राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से लेकर पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम व पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी तक का नाम उछाल दिया था। यह जानते हुए भी कि उनके सुझाए नामों में से एक के भी जीतने की कोई गारंटी नहीं थी।

2012 में मुलायम ने कराई थी बड़ी फजीहत

2012 के राष्ट्रपति चुनाव में ममता की उस वक्त बड़ी फजीहत हो गई, जब समाजवादी पार्टी के तत्कालीन मुखिया मुलायम सिंह यादव यू टर्न लेकर कांग्रेस के समर्थन में खड़े हो गए और कलाम ने पत्र लिख कर चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया। उक्त घटना से सबक लेते हुए इस बार ममता ऐसे किसी भी पचड़े में नहीं पड़ना चाहतीं, जिससे एक बार फिर वह मजाक का पात्र बनें। इस बीच खबर यह है कि 15 मई को ममता कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के लिए दिल्ली जा रही हैं। निश्चित तौर पर दोनों में राष्ट्रपति चुनाव पर चर्चा होगी। इसके बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री अपना पत्ता खोल सकती हैं।

यह भी बताना जरूरी है कि 24 मार्च को ममता ने कहा था कि लालकृष्ण आडवाणी, सुषमा स्वराज या सुमित्रा महाजन को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया जाता है तो वह समर्थन कर सकती हैं। हालांकि इसके बाद उनका कोई बयान नहीं आया है। पिछले माह वह ओडिशा भी गईं जहां मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात की और क्षेत्रीय दलों को एकजुट होने की बात कही।

किसी भी समस्या का हल हिंसा और हथियार नहीं है- दलाई लामा

मैक्लोडगंज

अमेरिकी डेमोक्रेटिक नेता नेंसी पेलोसी का कहना है कि चीन तिब्बती स्वायत्तता की आवाज को दबाने के लिए क्रूर तरीके अपना रहा है, लेकिन इससे तिब्बतियों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता है। नेंसी पेलोसी के नेतृत्व में अमेरिकी सांसदों का प्रतिनिधिमंडल मैक्लोडगंज में तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा से भेंट कर बुधवार को लौट गया।

बकौल नेंसी पेलोसी, वह तिब्बत मसले को एक चुनौती के रूप में ले रही हैं और चीन को तिब्बत पर वार्ता करनी ही होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एक दिन तिब्बती जरूर तिब्बत वापस लौटेंगे। इस अवसर पर दलाई लामा ने कहा, मैं चीन को दुश्मन नहीं समझता, लेकिन तिब्बत की समस्या का हल भी जरूरी है। किसी भी समस्या का हल हिंसा और हथियार नहीं है। इतिहास इस बात का गवाह है कि कई बार पहले भी कोशिशें हुई, लेकिन हल नहीं निकला। इसलिए यह जरूरी है कि हर

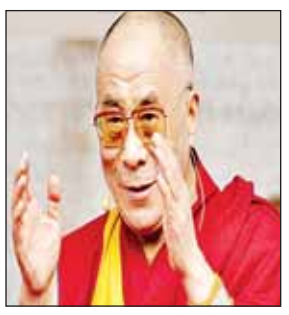

समस्या का हल प्यार से हो। दलाई लामा ने प्रतिनिधिमंडल को सम्मानित किया और उनके साथ मुख्य बौद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। दलाईलामा और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का मानना है कि मध्यमार्गी प्रयासों से ही तिब्बत समस्या का हल हो सकता है, जिसके लिए अब आगे बढ़ने की जरूरत है। अमेरिकन सांसदों ने कहा कि तिब्बत में तिब्बतियों के साथ न्याय नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि हम इस मसले पर तिब्बतियों के साथ खड़े हैं। चीन मसले के हल के लिए बीच का रास्ता निकालने का प्रयास करे और 11वें पंचेन लामा सहित सभी राजनीतिक बंदियों को भी रिहा करे।

यूपी की तरह अन्य राज्यों में जोर पकड़ेगी कृषि ऋण माफी की मांग

नई दिल्ली

उत्तरप्रदेश में योगी सरकार के किसान कर्ज माफी के ऐलान के बाद अन्य राज्यों में भी कृषि ऋण माफ करने की मांग जोर पकड़ सकती है। किसानों का कर्ज माफ करने वाले राज्यों की राजकोषीय स्थिति बिगड़ सकती है, लेकिन इसका एक सकारात्मक असर यह होगा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

दरअसल लगातार दो साल सूखे की मार के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में मांग पर असर पड़ा है। हालांकि अच्छा संकेत यह है कि ग्रामीण अर्थ व्यवस्था में वर्ष 2015-16 में जो गिरावट आयी थी अब वह थम गयी है। इस तरह ग्रामीण अर्थ व्यवस्था स्थिर हो गयी है हालांकि गतिविधियों का स्तर अब भी सुस्त है। वैसे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था में अचानक बड़ा उलट फेर होने के आसार नहीं है।

वित्तीय एजेंसी ईडलवाइस सिक्योरिटी की एक ताजा रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र में कर्ज की स्थिति और ग्रामीण अर्थ व्यवस्था व सरकार की

राजकोषीय स्थिति पर उसके प्रभाव का व्यापक अध्यन किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरप्रदेश सरकार ने किसानों का कर्ज माफ किया है और दूसरी राज्य सरकारें इसका अनुसरण कर सकती हैं। अगर ऐसा नहीं होता है तो भी अन्य राज्यों के किसान कर्ज माफी की उम्मीद में कृषि ऋण चुकाने में विलंब कर सकते हैं। पहले मामले में कर्ज का बोझ सरकार उठाती है, जबकि दूसरे मामले में बैंकों पर असर पड़ता है। हालांकि कर्ज का बोझ दूर करने से ग्रामीण उपभोग को बढ़ाया जा सकता है। सरकार कृषि ऋण माफी का विकल्प चुन सकती हैं और राजकोषीय घाटा बढ़ाने के बजाय शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे दूसरे कार्यों पर खर्चे कम कर इसे अंजाम दिया जा सकता है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण परिवारों के पास जाने वाली राशि में कोई अंतर नहीं आएगा।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की नवनिर्वाचित योगी सरकार ने 86 लाख किसानों का कर्ज माफ करने की घोषणा की है। बताया जाता है कि इससे राज्य सरकार के खजाने पर लगभग 36,000 करोड़ रुपये का भार आएगा।

रिपोर्ट में उस स्थिति का विश्लेषण भी किया गया है जब किसान खर्च करने के बजाय कर्ज चुकाने के लिए अपने पैसे का इस्तेमाल करें। इसमें कहा गया है कि किसान धनराशि खर्च करने के बजाय कर्ज चुकाने को प्राथमिकता दे सकते हैं इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में मांग कमजोर रह सकती है।

ऐसे में कृषि ऋण माफी की मांग भी बढ़ सकती है। इसका मतलब यह होगा कि राज्यों की राजकोषीय स्थिति बिगड़ सकती है। अगर ये दोनों ही विकल्प न आजमाए जाएं तो कर्ज न चुकाए जाने से बैंकों की स्थिति पर प्रभाव पड़ सकता है।

दो दशक में भयावह होगी दवा प्रतिरोधी टीबी

नई दिल्ली

2040 तक भारत में दवा प्रतिरोधी टीबी की स्थिति भयावह होगी। अगले दो दशक में रूस, फिलीपींस और दक्षिण अफ्रीका में भी ऐसे ही हालात की आशंका जताई गई है।

दवा प्रतिरोधी टीबी को लेकर कराए गए एक अध्ययन के मुताबिक 2040 तक रूस में टीबी के एक तिहाई मामले दवा प्रतिरोधी होंगे। इसकी तुलना में भारत और फिलीपींस में हर 10 में एक और दक्षिण अफ्रीका में हर 20 में एक टीबी का मरीज दवा प्रतिरोधी टीबी से पीड़ित होगा। सन 2000 में रूस में 24.8 फीसद, भारत में 7.9 फीसद, फिलीपींस में 6 फीसद और

दक्षिण अफ्रीका में 2.5 फीसद मामले दवा प्रतिरोधी टीबी से जुड़े थे। अध्ययन के मुताबिक इलाज के बेहतर साधन से इस बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ी है, लेकिन वर्तमान तरीके इस भयावह स्थिति को टालने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इस संबंध में और अधिक शोध की जरूरत है।

समय से टीबी का पता चलना और इलाज बीच में छोड़ देने वाले मरीजों की संख्या कम करना बेहद जरूरी कदम है। अमेरिका में सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के आदित्य शर्मा ने कहा कि किसी एक दिशा में प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। इस चुनौती से निपटने के लिए समग्र प्रयास की आवश्यकता होगी।

क्या होती है दवा प्रतिरोधी टीबी

दवा प्रतिरोधी टीबी वह होती है, जिस पर उपलब्ध दवाओं का प्रभाव नहीं पड़ता। ऐसे मरीजों का इलाज ज्यादा मुश्किल होता है। एंटीबायोटिक दवाओं के गलत इस्तेमाल और टीबी का इलाज बीच में छोड़ने के कारण यह स्थिति पैदा होती है।